Accommodation to Government Servants owning Accommodation in Delhi

2193. SHRI THA KIRUTTINAN:
DR. GOVIND DAS RICHHARIYA:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether Government have taken any policy decision with regard to the allotment of Government accommodations to the Government Servants; who are possessing own accommodation in Delhi;

(b) if so, what is the decision taken; and

(c) the number of Government Servants who have their own flats and houses either constructed or purchased in Delhi with their own funds or with the Government aids and who are still holding Government accommodations?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND IN THE MINISTRY OF WORKS AND HOUSING (SHRI OM MEHTA): (a) and (b). No, Sir. The matter is still under consideration.

(c) According to the data collected from various Ministries/Departments/Offices, as on the 19th December, 1972, 4,646 Government employees owning houses/flats in Delhi/New Delhi are in occupation of general pool accommodation in Delhi/New Delhi.

जहाजों पर कार्य करने वाले सीमैन

2194. **श्री भारत सिंह चौहान :** क्या **नौवहन और परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जहाजों में सीमैनों के पदों पर कितने व्यक्ति कार्य कर रहे हैं;

(ख) इनमें स्थायी तथा अस्थायी सीमैनों को वर्ष में कितने दिन बेरोजगार रहना पड़ता है;

(घ) क्या सरकार ने बेरोजगार के दिनों इन सीमैनों की कार्य शक्ति के उपयोग के लिए कोई योजना बनाई है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इस के क्य कारण हैं ?

नौवहन और परिवहन मंत्री (श्री कमलापति त्रिपाठी) : (क) 1973 को बम्बई और कलकत्ता में र जिस्ट्रीकृत विदेश गामी और स्वदेशी व्यापार में लगे नाविकों की कुल संख्या क्रमश: 41,021 और 1,275 थी ।

(ख) सूचना नौवहन कम्पनियों से एकत्रित की जा रही है और उसे सभा पटल पर रख दिया जायेगा ।

(ग) यात्रा पूरी हो जाने के बाद, नाविकों को जहाजों से छुट्टी दे दी जाती है । उनको छुट्टी की अन्तिम तारीख से वरीयता के आधार पर अपनी बारी पर अगली नौकरी के लिए फिर बुला लिया जाता है । उनकी प्रतीक्षा की अवधि प्रत्येक नाविक के लिए अलग अलग होती है जो उसके विभाग, रोस्टर और वर्ग जैसी बातों पर निर्भर करता है ।

(घ) बेकारी के दिनों के दौरान नाविकों की श्रमशक्ति को उपयोग करने की कोई योजना नहीं बनाई गई है ।

(ङ) राष्ट्रीय समुद्रवर्ती बोर्ड जो नाविकों और पोतस्वामियों की त्रिपक्षीय सस्था है नाविकों की डीकेजुलाइजेशन के प्रश्न पर विचार कर रहा है ;